(v) G.S.R. No. 605(E), dated the 8th June, 1989, approving the Madras Port Trust Employees (Contributory Outdoor and Indoor Medical Benefit after Retirement) Regulations, 1989.

(vi) G|S|R| No. 647(E), dated the 27th June, 1989, approving the Calcutta Port Trust Employees (other than Haldia Dock Complex) (Recruitment, Seniority and Promotion, Second Amendment Regulations 1989. [Placed in Library. *See* No. LT—8104/89 for (a) to (iv)]

II. A copy each (in English and Hindi) of the following Notifications of the Ministry of Surface Transport (Labour Division), under section 8A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948:—

(i) S.O. No. 38, dated the 7th January, 1989, publishing the Visakhapatnam Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1988.

(ii) S.O. No. 750, dated the 15th April, 1989, publishing the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1989. [Placed in Library. *See* No. LT—8105/89 for (i) and (ii)]

Accounts (1987-88) of the Regional Engineering College, Hazratbal, Srinagar (Kashmir) and related papers

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI P. SHIV SHANKER): Madam, I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Annual Accounts of the Regional Engineering College, Hazratbal, Srinagar (Kashmir), for the year 1987-88 and the Audit Report thereon. [Placed in Library. *See* No. LT—8106/89]

REPORT AND MINUTES OF THE COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

THAKUR JAGATPAL SINGH (Madhya Pradesh): Madam, I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Sixty-third Report of the Committee on Public Undertakings on Cochin Refineries Limited and Minutes of the sittings of the Committee relating thereto.

LANGUAGES IN I.I.T. FOR JOINT ENTRANCE EXAMINATIONS

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, मैं एक लो महत्व के प्रश्न पर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। माननीय उपसभापति महोदया, माननीय मानव संसाधन मंत्रालय के द्वार पर श्री श्याम रुद्र पाठक और अन्य कई व्यक्ति आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं...

उपसभापति : आप किस बारे में बोल रहे हैं?

डा० रत्नाकर पाण्डेय : आई०आई० टी० की परीक्षाओं में भारतीय भाषाएं इन्ट्रोडयूज हों इसके लिये ये व्यक्ति आमरण अनशन पर तीन हफ्ते से बैठे हुए हैं। इस सदर्भ में मैं सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। मान्यवर, ...

उपसभापति : यह अटल बिहारी वाजपेयी जी ने बोल दिया था सरकार इस पर ध्यान देगी।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैं आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं कि आई०आई० टी० की परीक्षाओं में भारतीय भाषाओं का समावेश किया जाय।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदया, बोल तो दिया था मगर वह लड़के भूख हड़ताल कर रहे हैं। वे अगर किसी दिन मर जायेंगे तो स्थिति विस्फोटक हो जायेगी।

श्री वीरेन्द्र वर्मा (उत्तर प्रदेश) : वे मरने के करीब हैं।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : सर्कुलर हैं मगर सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर

पा रही हैं ...(व्यवधान)... सरकार अपनी बातों से मुकर रही है। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश): सरकार ने आश्वासन दिया है लेकिन कोई क्रियान्वयन नहीं किया है। ...(व्यवधान)...सरकार ने आश्वासन दिया है कि आई.आई.टी. की परीक्षाएं भारतीय भाषाओं में भी ली जायेंगी लेकिन प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में दिये जा रहे हैं। इस संबंध में विज्ञापन भी निकला है। ये व्यक्ति तीन सप्ताह से आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं और उनकी हालत बड़ी गंभीर है। ...(व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय: प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में दिये जा रहे हैं। वे आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। सदन में इस समय मानव संसाधन मंत्री जी उपस्थित हैं। मैं प्रार्थना करूंगा कि वे इन परीक्षाओं में भारतीय भाषाओं में भी प्रश्न पत्र देने का उपाय करें। जब सरकार आश्वासन देती है तो...(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र वर्मा: सरकार ने आश्वासन दिया है लेकिन बावजूद आश्वासन के सरकार कुछ नहीं कर रही है। ...(व्यवधान)...

डा० रत्नाकर पाण्डेय: तीन सप्ताह से वे अनशन पर है...(व्यवधान)..

उपसभापति: आप बैठ जाइये, मंत्री जी जवाब दे रहे हैं।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): Why Hindi? Why not Sanskrit? That is a more sensible language.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Provided you speak to me in Sanskrit.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: I can but you wont' understand. You know, in artificial intelligence today Sanskrit has been made a compulsory language in the United States of America and here we are ignoring Sanskrit.

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI P. SHIV SHANKER): Madam, I am aware of the sentiments of this House with reference to the joint entrance examinations to be held in different languages contained in the Eighth Schedule of the Constitution in which 10x2 examination are being held. It is true that some of the Members have said that my Ministry had written a letter saying that the students will not only be allowed to write their answer papers in different languages from 1990, but even the question papers will also be made available in different languages. I am sorry, a controversy has been raised and the IITs are of the view that they are not in a position to translate the English question papers into the different languages as mentioned by me earlier. I have had a meeting on the 28th of July where I invited all the Directors of the IITs and also the Chairman of IITs. We discussed it at length. Many of us in the Council tried to persuade, including myself, of course, the IIT authorities, that is, the Directors and the Chairman, that the question papers should be made available to the examinees in the tests that are to be held in 1990. We discussed at length and the meeting had to be postponed because the IIT authorities came out with the proposal that they would go and discuss the matters with the IIT faculties.

AN HON. MEMBER: Are they supreme?

SHRI P. SHIV SHANKER: Just a minute. Let me make my submissions. I have, with all the persuasive capacity at my command, tried to impress on the IIT authorities, be it the Directors or the Chairman, that this is a matter of great national importance where the national sentiments are also involved.

I hope and I am confident that in the next meeting that is going to take place on the 17th August—I have fixed the meeting for the 17th August—that the IIT authorities, the Directors, the Chairman and the members of the faculties, will take into consideration the sentiments of this House as well, and when we meet on that day, they would come forward

[Shri P. Shiv Shanker]

with a positive proposal accepting the question papers being supplied in the different languages as mentioned by me earlier. I do not want to force down....

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Why not?

SHRI P. SHIV SHANKER: I do not went to force down. So, I have also informed them that whatever assistance that the Ministry can provide, namely, either through the NCERT or otherwise through the different language institutions and the different language forums that we have, we will be able to provide them the assistance for the purpose of translation. I would not like to create an impasse. But I am feeling hopeful because I have been told this morning by my Secretary that some of the faculties of the Delhi IIT have taken the decision that they would be in a position to do the work for the supply of the question papers in different languages. I assure the House that I will convey the sentiments of this House in the next meeting on the 17th so that we can come forward with a proper decision.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): May I know what the different languages are...(*Interruptions*)... and whether Tamil is there?

SHRI P. SHIV SHANKER: All the languages as mentioned by me earlier.

SHRI V. GOPAL SAMY: It is a tricky thing when you say that it is all the languages...(*Interruptions*)...

डा० रत्नाकर पाण्डेय: माननीया उपसभापति महोदय, आटोनामी के नाम पर इस देश में जिस तरह से सरकार को मान्यताओं को उसके निर्णयों को उसके कमिटमेंटस को जुठलाने की कोशिश आई.आई.टी. के लोग या अन्य कोई भी लोग करते हैं इस पर कड़ाई से अंकुश लगया जाना चाहिए आज एक नौजवान आई.आई.टी. का शोध छात्र, श्याम रूद्र पाठक तीन सप्ताह हो गये मौत से जूझ रहा है। और माननीय मंत्री जी का मैं कृतज्ञ हूं। हमने इनसे और इनके सचिव से बात भी की थी और उसके संदर्भ में 28 तारीख को बहुत ही आपने सीरियस मीटिंग भी की थी लेकिन उसके बावजूद भी आई.आई.टी के डाइरेक्टर और चेयरमैन जो हैं वे आपकी बात मानने को तैयार नहीं हैं। इसकी हम निंदा करते हैं और जो आश्वासन आपने सदन में दिया हैं वही आश्वासन जो आमरण अनशन पर बैठे हुए छात्र हैं उनको लिखित रूप से आपकी सरकार, आपका मंत्रालय दे ताकि प्राण बचाये जा सकें और वे मौत की गोद में न चले जायें, अन्यथा बहुत बड़ा अन्दोलन इसको लेकर हो जायेगा। वह न हो, इसलिए मैं मंत्री जी से आग्रह करता हूं कि जैसा उन्होंने आश्वासन दिया हैं कि 17 अगस्त तक निश्चित रूप से उन भारतीय भाषाओं में प्रश्न पत्र आयेगा जो आठवें अनुच्छेद की सूची में हैं, एतदर्थ अवश्य आश्वासन दें और इस आमरण अनशन को समाप्त करायें। मैं विश्वास करता हूं कि मंत्री जी इस पर अवश्य ध्यान देंगे और आटोनामी के नाम पर जो मनमानी चल रही है उसको समाप्त करने के लिए सदन एकमत से इस पर सहमत है। अगर उस चेयरमैन, को, डाइरेक्टर को सस्पेंड करना हो, एक्सपेल करना हो तो किया जाये और कड़ाई के साथ कार्यवाही की जाये और हमारे नौजवानों के जीवन की रक्षा की जाये। इन्हीं शब्दों के साथ आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

SHRI P. SHIV SHANKER: Madam, while I would like to disassociate myself with the strong language that has been used by the hon. Member, I appreciate the sentiments of the entire House and I am confident that the I.I.Ts. will take into consideration the sentiments of this august House. In view of what I have said, I would like to make an appeal to those who have gone on hunger strike that they should terminate this hunger strike. I am sure that the House will join me in making this appeal so that we can evolve a proper solution on the 17th.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Chair also associates itself with it. ...(**व्यवधान**) राम अवधेश जी मैंने आपको अनुमति नहीं दी है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर सदन के नेता बोले और आप किसी मेम्बर को बोलने का मौका न दें.. (**व्यवधान**) उन्होंने एक अपील की है। मैं अपनी आवाज उस अपील के साथ मिलाना चाहता हूं..

उपसभापति : मैं भी मिलाती हूं ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मगर आप पहले अपनी आवाज मिला देती हैं फिर कौन आवाज मिलाएगा।

उपसभापति : मैं समझती हूं कि आप लोगों की आवाज मेरे साथ जाती है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन के इम्तिहान भारतीय भाषाओं में हो सकते हैं और प्रश्न पत्र भारतीय भाषाओं में दिये जा सकते हैं तो आई.आई.टी. में यह क्यों नहीं हो सकता, यह मेरी समझ में नहीं आता।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : टालने वाली बात है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सरकार का एक फैसला हो चुका है, उस फैसले की सार्वजनिक घोषणा कर दी गयी है। अब आई.आई.टी. के डाइरेक्टर या चेयरमैन को उस घोषणा से मुकरने का अवसर नहीं दिया जा सकता। सवाल यह है कि 17 अगस्त को अगर आई. आई.टी. ने नहीं माना, मंत्री महोदय उम्मीद कर रहे हैं कि वे मान लेंगे, लेकिन नहीं माना तब क्या होगा।

श्री सुब्रह्मण्यम स्वामी : बंद कर दो उसको।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर आई.आई.टी. बंद कर दें तो आसमान नहीं टूट जायेगा।

श्री पी० शिवशंकर : मैं बहस में नहीं पड़ना चाहता लेकिन आप लोगों ने जो सहयोग दिया है मुझे विश्वास है..

श्री वीरेन्द्र वर्मा : जो शक्ति दी है।

श्री पी० शिवशंकर : जो शक्ति दी हैं, इस शक्ति का ठीक ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आई.आई.टी. वाले जहां इतने सबके जज्बातों को देख रहे हैं, उसको देखते हुए वे खुद ही स्वीकार कर लेंगे हमें बोलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

श्री महेन्द्र सिंह लाठर (हरियाणा) : **

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : **

THE DEPUTY CHAIRMAN: Anybody who speaks without my permission will not go on record. ईश दत्त जी, आप बैठ जाइये। with out the permission of the Chair, don't show anything. (*Interruptions*) Nothing will go on record. Please sit down.

SHRI ISH DUTT YADAV:**

SHRI RAM NARESH YADAV (Uttar Pradesh):**

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal):**

कृषि मंत्री (श्री भजन लाल) : मैडम, यह ऐसी बात है कि अगर वह कुछ कहते हैं, तो आप मुझे भी कुछ कहने की इजाजत दीजिए।

उपसभापति : मैंने उनको कुछ कहने की इजाजत नहीं दी है।

**Not recorded as directed by the Chair.

श्री भजन लाल : यदि मैं इनके कारनामे बताऊं, तो इस हाऊस और देश को भी पता लगेगा। इसके बारे में इनको पता होना चाहिए कि इन्होंने कहां कमीशन बिठाये। मैंने माना कि कमीशन बिठाओ। एक-एक बात को प्रूव किया और मुझे कमीशन ने निर्दोश साबित किया। ...**(व्यवधान)** यह अपने खिलाफ कमीशन बिठाकर देखें फिर इनको पता चलेगा, यह एक अखबार जो हमारे खिलाफ है कुछ का कुछ लिखता रहता है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Bhajan Lalji, I have not allowed anybody to raise any matter. You need not reply. (*Interruptions*)

SHRI ISH DUTT YADAV:**

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, everyday some rubbish is shown and the time of the House is taken. Once for all, you have to discipline and monitor the House in a way that such rubbish does not come into the well of the House.

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Madam, I have to mention one very important thing. Madam, I have given, along with other Members, two notices earlier for a discussion on certain statements which have been made outside India by a Member of this House, Mr. Ram Jethmalani. Yesterday... (*Interruptions*)... I was not allowed to mention, and he had also agreed. Now I would like to know when we have this discussion because there are certain very vital and sensitive issues involved. The newspapers today gave an impression...

THE DEPUTY CHAIRMAN: You have given the letter to the Chairman. Let him decide the time.

SHRI ANAND SHARMA: It is because, Madam, there are certain statements, indirect incitements, invitations to foreign jurists, human rights activists, statements against the interest of the country. That is why we demand a discussion on that.

**Not recorded.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Chairman will give his decision.

SHRI VIRENDRA VERMA: We are ready.

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : डा० रत्नाकर पाण्डेय जी ने जो स्पेसिफिक सवाल, मंत्री महोदय, से पूछा है, कि इनकी सरकार लिखित तौर पर आश्वासन उन विद्यार्थियों को दे, जो वहां अनशन कर रहे हैं...

उपसभापति : उन्होंने जवाब तो दे दिया है।

श्री राम अवधेश सिंह : *यदि वह* आश्वासन लिखित तौर पर दे दें, तब तो वह विद्यार्थी अनशन तोड़ सकते हैं। यदि नहीं देंगे, तो वह अनशन नहीं तोड़ेंगे। इसलिए मैं चाहता हूं कि लिखित तौर पर सरकार आश्वासन दे, और संभव हो तो मंत्री जी वहां खुद जाएं।

(व्यवधान)

उपसभापति : आप कृपया अपना स्थान ग्रहण करिए।

REPORTED CONSPIRACY TO MURDER AN INDUSTRIALIST

SHRI JASWANT SINGH (Rajasthan): Madam Deputy Chairman, I had mentioned this to you earlier. I wish to make a mention briefly of the reported conspiracy to murder Shri Nusli Wadia.

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Madam, I am on a point of order.

TEH DEPUTY CHAIRMAN: You see, Mr. Jaswant Singh, when you requested the Chairman, you wanted to mention something else. I said that the matter is *sub judice* and we cannot allow a discussion on it. So, we cannot allow. And